एसकेआरएयू-मूंगफली बीज गुणवत्ता व फसल, उर्वरक प्रबंधन पर किसानों से संवाद

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन के जरिए किसानों को दी गई जानकारी, कृषि अनुसंधान केन्द्र में एकदिवसीय प्रशिक्षण व आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर। एसकेआरएयू के कृषि अनुसंधान केंद्र में अखिल भारतीय मूंगफली अनुसंधान परियोजना के तहत गुरुवार को एकदिवसीय प्रशिक्षण व आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ एन के शर्मा ने मूंगफली के बीज के महत्व एवं गुणवत्ता के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने मूंगफली की खेती के लिए उपयुक्त खाद्य उर्वरकों की जानकारी साझा करते हुए किसानों से संवाद किया। परियोजना के प्रभारी डॉ एसपी सिंह ने मूंगफली में खरपतवार नियंत्रण के बारे में अवगत कराया तथा डॉ बीडीएस नाथावत ने मूंगफली में होने वाले कीट व अन्य रोगों के उचित नियंत्रण के बारे में बताया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 80 से अधिक किसानों ने भाग लिया। किसानों के लिए मूंगफली की फसल के प्रथम पंक्ति प्रदर्शन का आयोजन किया गया तथा उन्हें आदान वितरित किए गए।

मूंगफली बीज गुणवत्ता व फसल उर्वरक प्रबंधन पर किसानों से संवाद

बीकानेर @ पत्रिका. एसकेआरएयू के कृषि अनुसंधान केंद्र में अखिल भारतीय मूंगफली अनुसंधान परियोजना के तहत गुरुवार को प्रशिक्षण व आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुसंधान निदेशक डॉ. एन के शर्मा ने मूंगफली के बीज के महत्व एवं गुणवत्ता के बारे में किसानों को विस्तार से जानकारी दी। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ. भूपेंद्र सिंह शेखावत ने मूंगफली की खेती के लिए उपयुक्त खाद्य उर्वरकों की जानकारी साझा करते हुए किसानों से संवाद किया। परियोजना के प्रभारी डॉ. एसपी सिंह ने मूंगफली में खरपतवार नियंत्रण के बारे में अवगत कराया तथा डॉ. बीडीएस नाथावत ने मूंगफली में होने वाले कीट व अन्य रोगों के उचित नियंत्रण के बारे में बताया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के 80 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

दैनिक भास्कर बीकानेर 19-06-2026

कृषि अनुसंधान केंद्र में मूंगफली बीज गुणवत्ता पर प्रशिक्षण

बीकानेर| एसकेआरएयू के कृषि अनुसंधान केंद्र में अखिल भारतीय मूंगफली अनुसंधान परियोजना के तहत एकदिवसीय प्रशिक्षण और आदान वितरण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें किसानों को मूंगफली की फसल में बेहतर उत्पादन के लिए बीज गुणवत्ता, उर्वरक प्रबंधन और संरक्षण उपायों पर व्यावहारिक जानकारी दी गई। अनुसंधान निदेशक डॉ. एनके शर्मा ने कहा कि प्रमाणित और गुणवत्तापूर्ण बीज ही फसल की नींव है, इसलिए चयन और भंडारण में सावधानी जरूरी है। क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशक डॉ भूपेंद्र सिंह शेखावत ने उपयुक्त उर्वरकों के संतुलित उपयोग पर किसानों से संवाद किया। परियोजना प्रभारी डॉ एसपी सिंह ने खरपतवार नियंत्रण, जबकि डॉ बीडीएस नाथावत ने कीट व रोग प्रबंधन के प्रभावी तरीकों पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से 80 से अधिक किसान शामिल हुए।